

করণা করে গো রূপা করো সবে নিজগুণে দয়া কর ভগবান ।
আলো ঝরা তব ঝর্ণা ধারায় সবারে করাও মুক্তি স্থান ॥

জলস্থলে আর ভূধরে গহনে নন্দিত তুমি চির আবাহনে ।
সব চেতনায় অমর আসন সবারে কর গো অভয় দান ॥

যাহা কিছু জানি যাহা নাহি জানি সব কিছু তব লীলা ইহা মানি ।
তব স্পন্দনে সবে স্পন্দিত বিশ্ববিভু তুমি অল্লান ॥

(কলিকাতা, ৮ই এপ্রিল, ১৯৮৩)

তাল : দাদরা

| | ১ | ০ | ১ | ০ |
|----|-------------|------------|--------------|---------------|
| II | পা ধা সাঁ | ণা ধা পা | জ্ঞা মা জ্ঞা | রা সা সা I |
| | ক রু গা | ক রে গো | কৃ পা ক | র স বে |
| I | পা ধা সাঁ | ণা ধা পা | জ্ঞা মা জ্ঞা | রা সা সা I |
| | নি জ গু | ণে দ যা | ক র ভ | গ বা ন |
| I | ধা ধা ধা | ধা না ধা | পা ধা পা | মা গা রা I |
| | আ লো ঝ | রা ত ব | ঝ র্ ণা | ধা রা য |
| I | গা পা মা | রা গা রা | সা রা গা | গা -া গা II |
| | স বা রে | ক রা ও | মু কৃ তি | স্না ০ ন |
| II | মা মা দা | দা দা পা | সাঁ সা সাঁ | সাঁ সাঁ সাঁ I |
| | জ লে স্ত | লে আ র | ভূ ধ রে | গ হ নে |
| I | সাঁ সাঁ সাঁ | সাঁ সাঁ পা | সাঁ পা দা | মা মা -া I |
| | ন ন্দি ত | তু মি চি | র আ বা | হ নে ০ |
| I | ধা ধা ধা | ধা না ধা | পা ধা পা | মা গা রা I |
| | স ব চে | ত না য | অ ম র | আ স ন |
| I | গা পা মা | গা রা পা | সা রা গা | গা -া গা II |
| | স বা রে | ক র গো | অ ভ য | দা ০ ন |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|--------|--|----|----|----|---|----|----|-----|--|----|----|----|------|
| II | মা | মা | দা | | দা | দা | ণা | I | সী | সী | সী | | সী | সী | সী | I |
| | যা | হা | কি | | ছু | জা | নি | | যা | হা | না | | হি | জা | নি | |
| I | সী | রা | স'র'গা | | গী | রী | সী | I | ণা | সী | ণা | | দা | পা | পা | I |
| | স | ব | কি | | ছু | ত | ব | | লী | লা | ই | | হা | মা | নি | |
| I | পা | সী | সী | | সী | রী | সী | I | ণা | সা | ণা | | দা | পা | পা | I |
| | ত | ব | স্প | | ন্ | দ | নে | | স | বে | স্প | | ন্ | দি | ত | |
| I | পা | ণা | দা | | পা | মা | গা | I | জা | মা | মা | | পা | -া | পা | IIII |
| | বি | শ্ | শ | | বি | ভু | তু | | মি | অ | ম্ | | লা | ০ | ন | |